आमोखास व मीडिया जगत की खबरों का प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

खबर वही... खोज नई

वर्ष: 11 अंक: 39 पृष्ठ -08 दिनांक: बुधवार 08 नवंबर से मंगलवार 14 नवंबर तक मूल्य रु. 2.00

‘हिन्दू धर्म के कारण...’ अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दावेदार में विवेक रामास्वामी ने दिखाई अपनी ताकत

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवारी के दावेदार विवेक रामास्वामी ने अपने ‘हिंदू’ आस्था के बारे में खुलकर बात की और इस बात पर जोर दिया कि यह उन्हें आजादी प्रदान करता है और उन्हें नैतिक दायित्व के रूप में इस राष्ट्रपति अभियान को शुरू करने के लिए प्रेरित करता है.

द डेली सिग्नल प्लेटफॉर्म द्वारा शनिवार को आयोजित ‘द फैमिली लीडर’ फोरम में बोलते हुए, भारतीय–अमेरिकी उद्यमी ने अगली पीढ़ी के लाभ के लिए साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के अपने इरादे को व्यक्त करते हुए हिंदू और ईसाई धर्म की शिक्षाओं के बीच समानताएं गिनाईं.

रामास्वामी ने कहा, ”मेरी आस्था ही मुझे आज़ादी देती है. मेरी आस्था ही मुझे इस राष्ट्रपति अभियान तक ले गई३ मैं एक हिंदू हूं. मेरा मानना है कि एक ही सच्चा ईश्वर है. मेरा मानना है कि भगवान ने हममें से प्रत्येक को यहां एक मकसद के लिए रखा है. मेरा विश्वास हमें सिखाता है कि उस उद्देश्य को साकार करना हमारा एक कर्तव्य है, एक नैतिक कर्तव्य है. ये भगवान के उपकरण हैं, जो अलग–अलग तरीकों से हमारे माध्यम से काम करते हैं, लेकिन हम अभी भी समान हैं, क्योंकि भगवान हम में से प्रत्येक में निवास करते हैं. यही मेरी आस्था का मूल है।

रिपब्लिकन नेता ने अपनी परवरिश के बारे में बोलते हुए कहा कि उनमें परिवार, शादी और माता–पिता के प्रति सम्मान जैसे मूल्य पैदा हुए थे. रामास्वामी ने कहा, ‘मैं एक पारंपरिक घर में पला–बढ़ा हूं. मेरे माता–पिता ने मुझे सिखाया कि परिवार ही नींव है. अपने माता–पिता का सम्मान करें. शादी पवित्र है. शादी से पहले संयम रखना ही रास्ता है. व्यभिचार गलत है. शादी एक पुरुष और एक महिला के बीच होती है. तलाक है सिर्फ कुछ प्राथमिकताएं नहीं जो आप चुनते हैं३ आप भगवान के सामने शादी करते हैं और आप भगवान तथा अपने परिवार के प्रति शपथ लेते हैं।’

ओहियो स्थित बायो–टेक उद्यमी ने हिंदू और ईसाई धर्मों के बीच समानताएं भी बताईं और कहा कि ये भगवान के ‘साझा मूल्य’ हैं, और वह उन साझा मूल्यों के लिए खड़े रहेंगे. उन्होंने आगे कहा, ‘क्या मैं ऐसा राष्ट्रपति बन सकता हूं जो पूरे देश में ईसाई धर्म को बढ़ावा दे सके? मैं नहीं बन सकता३ मुझे नहीं लगता कि हमें अमेरिकी राष्ट्रपति से ऐसा कराना चाहिए३ लेकिन क्या मैं उन लोगों के साझा मूल्यों के लिए खड़ा रहूंगा? क्या मैं उन्हें उन उदाहरणों को बढ़ावा दूंगा जो हम अगली पीढ़ियों के लिए निर्धारित करते हैं? आप बिल्कुल सही हैं, मैं करूंगा! क्योंकि यह मेरा कर्तव्य है।’

गौरतलब है कि 38 वर्षीय विवेक रामास्वामी दक्षिण पश्चिम ओहियो के मूल निवासी हैं. उनकी मां एक वृद्ध मनोचिकित्सक थीं और उनके पिता जनरल इलेक्ट्रिक में इंजीनियर के रूप में काम करते थे. उनके माता–पिता केरल से अमेरिका चले गए।

विवेक रामास्वामी के राष्ट्रपति अभियान ने ध्यान आकर्षित किया है, और वह जीओपी प्राथमिक चुनावों में आगे बढ़े हैं, हालांकि जनसमर्थन के मामले में वह अभी भी ट्रम्प और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस से पीछे चल रहे हैं।

इजरायल और हमास के बीच जंग रोकने का हुआ समझौता?

इजरायल। इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकी संगठन के बीच जंग जारी है. वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को हमास के साथ संभावित बंधक समझौते की कुछ रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और स्पष्ट किया कि ‘अभी तक, कोई समझौता नहीं हुआ है.’

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमास पर इजरायल के युद्ध के खिलाफ भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद, नेतन्याहू ने गाजा में ऑपरेशन को तब तक जारी रखने का वादा किया जब तक कि आतंकवादी समूह को उखाड़ नहीं फेंका जाता और उसके द्वारा पकड़े गए बंधकों को वापस नहीं कर दिया जाता. हालांकि उन्होंने आश्वासन दिया कि ‘जब कुछ कहना होगा, हम आपको इसके बारे में रिपोर्ट करेंगे.’

मालूम हो कि वाशिंगटन पोस्ट ने रिपोर्ट किया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका और कतर की मध्यस्थों के जरिए इजरायल और हमास पांच दिन के लिए समझौता करने को तैयार हो गए हैं. रिपोर्ट में आगे कहा गया था कि बेंजामिन नेतन्याहू हमास के ठिकानों पर गोलीबारी रोकने के लिए इस शर्त पर तैयार हुए हैं क्योंकि हमास इसके दर्जन भर महिलाओं और बच्चों की रिहाई के लिए तैयार हो गया है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजरायल और हमास के बीच छह पेज का समझौता हुआ है. इसमें कहा गया है कि इजरायल और हमास कम से कम पांच दिनों के लिए युद्ध को रोकेंगे.

नेतन्याहू ने कहा, हम पूरी ताकत से आगे बढ़ते रहेंगे. उन्होंने आगे कहा कि ‘युद्ध में अब तक, हमने बहुत कुछ हासिल किया है. हमने हजारों आतंकवादियों का सफाया कर दिया है. हमने आतंकवादियों के वरिष्ठ कमांडरों को भगा दिया है. हमने प्रशासनिक केंद्रों को नष्ट कर दिया है. हमने सुरंगों को नष्ट कर दिया है और इसे हम जारी रख रहे हैं. नेतन्याहू ने कहा, हम पूरी ताकत से आगे बढ़ते रहेंगे.’

गाजा में बंधक बनाए गए लगभग 240 बंधकों के हजारों परिवार के सदस्य और समर्थक शनिवार को यरूशलम पहुंचे. उन्होंने हमास के साथ युद्ध के प्रबंधन पर इजरायली नेतन्याहू की सरकार की आलोचना की और सरकार से अपने प्रियजनों को घर लाने के लिए जो कुछ भी करना हो करने का अनुरोध किया.

जैसे ही जनता का दबाव बढ़ा, नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें ‘भयानक पीड़ा’ हुई. उस भयावह सपने के बारे में पता हैं जिससे परिवार गुजर रहे हैं. नेतन्याहू ने कहा कि ‘मैंने परिवारों के प्रतिनिधियों को सप्ताह के अंत में युद्ध मंत्रिमंडल से मिलने के लिए आमंत्रित किया ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि यह विषय हम सभी के लिए कितना महत्वपूर्ण है दृ मेरे और मेरे सहयोगियों के लिए, हम सभी के लिए.’ इसके अलावा नेतन्याहू ने ‘अमेरिका के समर्थन’ की भी बहुत सराहना की और कहा कि वह महत्वपूर्ण हथियारों और रक्षा उपकरणों की लगातार खेप भेज रहा है, जबकि उन्होंने कांग्रेस में यहूदी राज्य के लिए द्विदलीय समर्थन पर भी गौर किया.

पाकिस्तान पर भड़के अमेरिकी सांसद, बोले- तुरंत बंद हो सैन्य सहायता

अमेरिका। अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध की एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हो रही है. अमेरिकी कांग्रेस के 11 सांसदों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को पत्र लिख कर मांग किया है कि जब तक पाकिस्तान में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो जाता और स्थायी सरकार बहाल नहीं हो जाती, तब तक सैन्य सहायता रोक देनी चाहिए. वर्तमान में पाकिस्तान में कार्यवाहक सरकार है. पाकिस्तान के खिलाफ बैन की मांग करने वालों सांसदों में पूर्व पीएम इमरान खान की करीबी मानी जाने वाली इल्हाना उमर भी शामिल हैं।

इमरान की करीबी इल्हान ओमर भी है शामिल

अमेरिकी सांसदो ने पाकिस्तान सरकार द्वारा ईशनिंदा कानून को और भी मजबूत करने पर निराशा जाहिर किया हैं. मालूम हो कि उमर की छवि एक कट्टरपंथी मुस्लिम की है. इल्हान सहित लगभग दर्जन भर कांग्रेस सदस्यों ने संवैधानिक व्यवस्था की बहाली ईशनिंदा कानून में बदलाव की भी मांग की है।

अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और ईशनिंदा के खिलाफ सख्त कानून पर भी आपत्ति जताई है. उन्होंने पाकिस्तान में कैथलिक चर्चों पर हमलों का भी जिक्र किया है. मालूम हो कि पाकिस्तान में जल्द ही आम चुनाव होने वाले हैं. फिलहाल वहां पर, अनवर–उल–हक कक्कड़ के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार है. पाकिस्तान में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने की संभावना है. चुनाव को देखते हुए पूर्व पीएम नवाज शरीफ भी लंदन से पाकिस्तान से पहुंच चुके हैं. वहीं, इमरान खान तोशाखाना केस मामले में 3 साल की जेल की सजा काट रहे हैं।

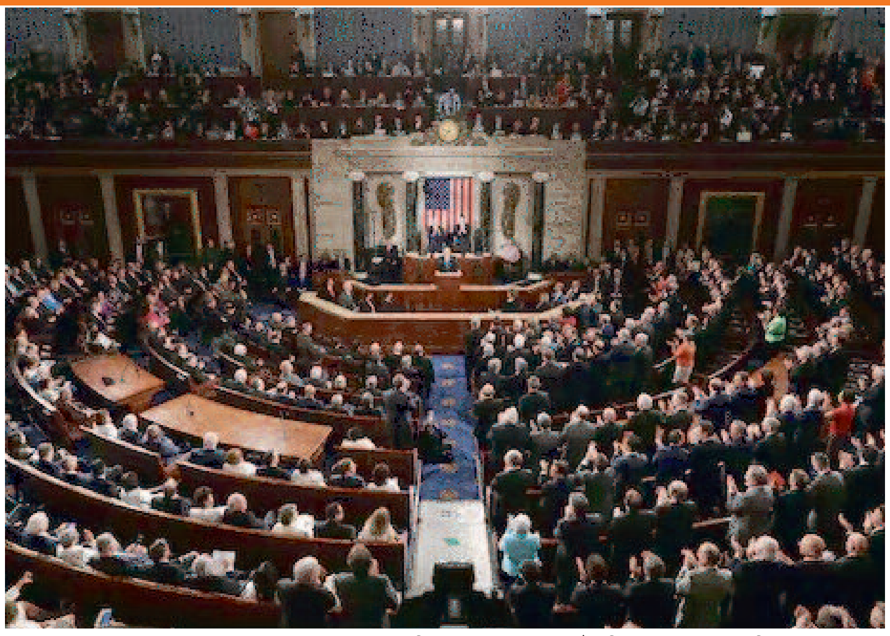

अमेरिकी सांसदों ने कहा कि विदेशी सहायता अधिनियम की धारा 502बी के तहत विदेश विभाग को इसकी जांच करनी चाहिए कि क्या अमेरिकी सहायता का दुरुपयोग किया जा रहा है. इसके अलावा इस मदद का इस्तेमाल मानवाधिकार उल्लंघन में किस हद तक किया जा रहा है. सांसदों ने अमेरिका के लीही कानून के प्रयोग के करने की मांग की है. लीही कानून अमेरिका द्वारा विदेशी सुरक्षा बलों के सहयोग की मॉनिटरिंग करता है ताकि पता लगाया जा सके कि विदेशी सैनिक इसका प्रयोग मानवाधिकार के उल्लंघन जैसे कि यातना, सामूहिक हत्या, जबरन गायब करना और बलात्कार के लिए तो नहीं कर रहे हैं. उन्होंने मांग किया कि पाकिस्तान में स्वतंत्र चुनाव होने चाहिए जिसमें सभी पार्टियां हिस्सा ले सकें।

ईशनिंदा कानून पर कड़ी आपत्ति

सांसदों का कहना है कि ईशनिंदा कानून में पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने के सख्त प्रावधान हैं. उन्होंने पाकिस्तान में पारित हुए आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक, 2023 का कड़ा विरोध किया है. बदनामी का कानून भी इसी के अंतर्गत आता है. इसका इस्तेमाल पहले भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ किया जाता रहा है. इस बिल पर अभी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर नहीं हुए हैं. पत्र में 16 अगस्त की घटना का जिक्र है जिसमें भीड़ ने एक चर्च में भी आग लगा दी थी. इसके अलावा गिलगित बाल्टिस्तान में शिया समुदाय के लोगों ने भी इस बिल का विरोध किया है। सांसदों ने कहा कि अगर यह बिल कानून बन गया तो पाकिस्तान में धार्मिक आजादी खत्म हो जाएगी. आपको बता दें कि ये सांसद ज्यादातर प्रोग्रेसिव ग्रुप के हैं जो फिलिस्तीन का मुद्दा भी उठा रहे हैं और फिलहाल गाजा में युद्धविराम की मांग कर रहे हैं. एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान के खिलाफ ईशनिंदा कानून का भी इस्तेमाल किया था।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बताया चीन के साथ दोस्ती का सीक्रेट

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 17 नवंबर को 9वें सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच के पूर्ण सत्र में चीन के साथ रिश्तों पर बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा है कि रूस–चीन संबंध विश्वास के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गए हैं, जो दोनों देशों के बीच सफल सहयोग का आधार है। पुतिन ने कहा कि रूस–चीन संबंध अभूतपूर्व ऊंचाई और गुणवत्ता पर पहुंच गए हैं, जिसमें दोनों देशों के बीच विश्वास का स्तर भी शामिल है। रूस और चीन के बीच बातचीत रचनात्मक है और वैश्विक स्थिति की स्थिरता में योगदान करती है।

पुतिन ने यह भी कहा कि सांस्कृतिक आदान–प्रदान और लोगों के बीच पुलों के निर्माण के बिना, रूस–चीन सर्वांगीण रणनीतिक समन्वय साझेदारी साकार नहीं किया जा सकता। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग हमेशा द्विपक्षीय संबंधों में संस्कृति, शिक्षा, खेल और अन्य मुद्दों को बहुत महत्व देते हैं, जो दोनों देशों के बीच आदान–प्रदान के बेहद महत्वपूर्ण घटक हैं। रूसी और चीनी लोगों को एक–दूसरे की संस्कृति में गहरी रुचि है और उन्हें विश्वास है कि 2024–2025 रूस–चीन सांस्कृतिक वर्ष सफल होगा।

9वां सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच शनिवार तक चलेगा। इसमें चीन, इटली, यूनाइटेड किंगडम और तुर्किए जैसे देश शामिल हैं। इन बाकी देशों के प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक आदान–प्रदान, शिक्षा और विरासत संरक्षण पर सहयोग पर चर्चा की है। पुतिन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग अमेरिका के दौरे से लौटे हैं। जिनपिंग छह साल के बाद अमेरिका गए थे।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मीटिंग से पहले रूस ने दो महाशक्तियों के बीच भूराजनीतिक खाई को बढ़ा दिया था। चीन के साथ अपने गठबंधन को देखते हुए, रूस ने बातचीत पर करीब से नजर रखी। साथ ही रूस की तरफ से बाइडन और जिनपिंग के बाद अमेरिका और चीन के सहयोग पर ठंडी प्रतिक्रिया मिलने की आशंका भी जताई गई।

सैकड़ों साल पुराना है बोना चोर का किले का इतिहास

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश का जनपद अलीगढ़ ताला और तालीम के लिए जाना जाता है. यह शहर कई ऐतिहासिक धरोहर को संजोए हुए है. जिसमें से एक अलीगढ़ का किला भी है, जिसे बोना चोर का किला भी कहा जाता है. चलिए हम आपको बताते हैं किआखिर कौन था यह बोना चोर और क्यों इसके नाम से इस किले को जोड़ा जाता है।

दरअसल, उत्तर भारत के कई इलाकों में कोई न कोई किला मौजूद है. जनश्रुति के आधार पर हम उसे किले की कोई ना कोई पहचान बनाते हैं. ऐसी ही किंवदंती के आधार पर अलीगढ़ किले को बोना चोर का किला कहा जाने लगा. जबकि इतिहासकारों के अनुसार इस किले को बोना चोर का किला कहना महज एक किंवदंती है. इसका कोई साक्ष्य नहीं है कि बोना चोर का कोई अस्तित्व था. बोना चोर का किला कहना लोगों में सिर्फ भ्रांतियां हैं।

अलीगढ़ का यह किला पटवारी नागला नामक स्थान पर स्थित है. किले की स्थापना इब्राहिम लोदी के शासनकाल में हुई थी. तत्कालीन राज्यपाल के पुत्र मोहम्मद ने कराई थी. वहीं माधवराव शासन 1759 के दौरान किले को विकसित किया गया था. सन 1803 में अलीगढ़ जंग के दौरान मराठों ने इस किले को अपने कब्जे में ले लिया था, जिसके कारण इस किले की महत्वता और बढ़ गई थी. इतिहास की गवाही देने वाले इस किले के विकास का पहले तो पूरा ख्याल रखा जाता था लेकिन कुछ सालों से यह अनदेखी का शिकार हो रहा है।

विवाह के दिन दूल्हे की डिमांड, हर कोई हो गया हैरान

अलीगढ़। दहेज लेना या देना भले ही अपराध माना जाता हो. लेकिन इस अपराध को लोग बड़े ही शान से करते हैं. ऐसे ही एक मामला अलीगढ़ के थाना बन्ना देवी स्थित साराय रहमान इलाके में सामने आया है. जहां दहेज की मांग करने वाले दूल्हे ने शादी की रस्म शुरू होने से पहले ही प्लॉट, नगदी और महंगी बाइक व कार की मांग कर दी. फिर आगे जो हुआ जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे।

अलीगढ़ के बन्ना देवी थाना इलाके के साराय रहमान में दहेज के लालचियों की वजह से दुल्हन की हाथों पर मेहंदी रची रह गई. शादी की तैयारी घर में सजी की सजी रह गई. रिश्तेदार नातेदार घर पर बारात का इंतजार करते रह गए. क्योंकि नगर कोतवाली इलाके के हड्डी गोदाम से बारात लेकर आ रहे दूल्हे ने शादी की रस्म अदाई करने से महज़ चंद लम्हे पहले दहेज में नगदी,200 गज का प्लाट व कार की मांग कर दी. इस बात को सुनकर दुल्हन अपने भाई और पिता के दुख को ना देख सकी और दुल्हन ने स्वयं ही शादी करने से इनकार कर दिया।

दुल्हन ने कहा कि जो लड़का शादी वाले दिन दहेज की डिमांड कर रहा है वह और उसका परिवार आगे रिश्ता कैसे निभा पाएगा. साथ ही दुल्हन ने यह भी कहा कि इससे पहले भी जो कार्यक्रम हुआ था. उसमें भी दो से तीन लाख रुपए का खर्च हुआ था. बावजूद इसके इन लोगों की डिमांड रुकने का नाम नहीं ले रही है. इस मामले की शिकायत परिजनों ने सं. बंधित थाना पुलिस से करते हुए दूल्हे पक्ष के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

दहेज लोभियों ने किया शर्मिंदा

इधर दुल्हन फराह के भाई राशिद का कहना है कि इन लोगों के कारण समाज और रिश्तेदारी में हमारी बेज्जती हुई है. शादी वाले दिन दरवाजा सूना छोड़ दिया है. ऐसे दहेज के लालची लोगों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए. थाना बन्ना देवी इंस्पे. क्टर देवेंद्र त्यागी के अनुसार दुल्हन द्वारा निकाह करने से इनकार करने पर अभी दोनों पक्षों में वार्ता चल रही है. तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

दिवाली में करोड़पति बना असलम

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की ऊपर नगर कोतवाली इलाके के भुजपुरा निवासी असलम नाम का युवक दिवाली के मौके पर अचानक दो दिन में करोड़पति बन गया. दरअसल असलम ने बताया है कि उसके आईडीएफसी और यूको बैंक के दो अकाउंट में अचानक 4.78 करोड़ रुपये आए हैं. असलम इतनी बड़ी रकम देखकर हक्का–बक्का रह गया. इसके बाद असलम में इस मामले की शिकायत संबंधित बैंक मैनेजर और इलाके की पुलिस से की है।

असलम द्वारा दी गई डिटेल और उसके बताएं अनुसार दिवाली त्योहार के दौरान 11 और 12 नवंबर को उसके अकाउंट में पैसे आना शुरू हुए और लगातार रूपए आते ही चले गए. असलम के अकाउंट में छोटी दीपावली और बड़ी दीपावली के दिन 4 करोड़ 78 लाख रुपये अकाउंट में आ गए।

शख्स ने पुलिस से की मामले की शिकायत

अकाउंट में पैसे आने के बाद असलम शॉक्ड हो गया. फिर उसने इस बात की जानकारी अपने बैंक मैनेजर को दी और स्थानीय पुलिस को सूचित कराया.

इसके बाद बैंक मैनेजर और पुलिस हरकत में आई और असलम के अकाउंट को फ्रीज कर दिया गया. असलम ने बताया है कि उसके आईडीएफसी बैंक अकाउंट में रुपए आते हैं और यूको बैंक में ट्रांसफर हो जाते हैं. यही प्रक्रिया यूको बैंक से आईडीएफसी बैंक अकाउंट में हो रही है. वहीं, बैंक डिटेल निकालने पर अलग–अलग अज्ञात अकाउंट से छोटी से बड़ी रकम तक फंडिंग हो रही है.

इस मामले पर क्षेत्राधिकारी प्रथम अभय कुमार पांडे ने बताया है कि ऊपरकोट नगर कोतवाली इलाके के भुजपुरा चौकी क्षेत्र निवासी असलम ने शिकायत की है कि उसके दो अकाउंट आईडीएफसी और यूको बैंक अकाउंट में 4 करोड़ के आसपास अचानक रुपये आ गए हैं. असलम की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है और साइबर टीम को लगा दिया गया है. साइबर टीम कार्रवाई में जुटी है.

मानव संपदा पोर्टल से होगा कर्मचारीयों के वेतन का भुगतान

अलीगढ़। आयुक्त अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ रविन्द्र ने बताया है कि अगले वर्ष से सरकारी विभागों के लिए नियमों में परिवर्तन किया गया है। अब सरकारी अधिक. ारियों व कर्मचारियों को अलगे साल से वेतन का भुगतान मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। अधिकारियों–कर्मचारियों को दिसम्बर माह के देय वेतन का भुगतान 01 जनवरी 2024 से इसी पोर्टल के माध्यम से देय होगा। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा पोर्टल पर प्रत्येक कर्मचारी की ई–सेवा पुस्तिका बनाने और उनकी अवकाश स्वीकृति, पदोन्नति और वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट अनिवार्य रूप से अपलोड करने के निर्देश दिये गये हैं। इस संबंध में मा0 मुख्यमंत्री जी के अपर मुख्य सचिव श्री एसपी गोयल द्वारा सभी विभागों को निर्देश भी जारी कर दिये गये हैं।

मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से कार्मिकों का सेवा विवरण अद्यतन किए जाने, मेरिट वेस्ड ऑनलाइन ट्रान्सफर सिस्टम बनाए जाने, वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट प्रबन्धन, वेतन आहरण, सेवा पुस्तिका प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्त कार्य मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ही सम्पादित किए जाने सम्बन्धी शासनादेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि माह दिसम्बर 2023 का वेतन जो 01 जनवरी 2024 को देय होगा वह मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ही जारी किया जाएगा। सर्विस बुक को मानव सम्पदा पोर्टल पर ई–सर्विस बुक के रूप में परिवर्तित करते हुए सभी प्रकार के अवकाश एवं एसीपी आदि अन्य सेवा सम्बन्धी कार्यों का निस्तारण 01 जनवरी 2024 से मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ही किया जाएगा। वर्ष 2023–24 की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट–एपीआर मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ही ऑनलाइन दाखिल की जाएगा। स्थानान्तरण की स्थिति में कार्यमुक्त किए जाने एवं कार्यभार ग्रहण करने की कार्यवाही मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ही की जाए। मण्डलायुक्त ने मण्डल के चारो जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से कार्य कराना सुनिश्चित करें। संयुक्त निदेशक कोषागार एवं पेंशन महिमा चंद ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा मानव संपदा पोर्टल को प्रभावशाली बनाया जा रहा है। सेवा संबंधी विभिन्न कार्यों को इसी पोर्टल से जोड़ा गया है। डीडीओ और मानव संपदा पोर्टल को आपस में जोड़ा जाएगा। मानव संपदा पोर्टल से मिलान के बाद ही माह दिसम्बर का वेतन जोकि 01 जनवरी 2024 को देय होगा, स्वीकृत किया जाएगा।

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इगलास तहसील परिसर में शौर्य स्तंभ का किया अनावरण

अलीगढ़। अलीगढ़ की तहसील इगलास की है जहां आज जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 18 नवम्बर 2023 अपने त्याग और समर्पण से देश को आजाद कराने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, अदम्य साहस व वीरता के साथ देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर क्रांतिकारियों की याद व सम्मान में तहसील इगलास परिसर स्थापित शौर्य स्तम्भ का डीएम–एसएसपी ने अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने शौर्य स्तम्भ पर पुष्प चक्र अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, वीर क्रांतिकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान डीएम–एसएसपी समेत समस्त अधिकारियों ने आजादी का अमृत महोत्सव के जिला समन्वयक सुरेन्द्र शर्मा द्वारा लगाई गयी जनपद के स्वतंत्रता आन्दोलन में अलीगढ़ के वीर सपूतों की भूमिका को परिलक्षित करती चित्र प्रदर्शनी की मुक्तकंठ से सराहना की।

डीएम इन्द विक्रम सिंह ने कहा कि तहसील इगलास का स्वतंत्रता आन्दोलन में अहम योगदान रहा है। यहां के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने न केवल देश के आजादी के आन्दोलन में अहम भूमिका निभाई बल्कि प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध, इण्डो–चाइना वार एवं कारगिल युद्ध में यहां के बहुत सारे वीर सपूतों ने अपनी कुर्बानी देकर देश की आन–बान–शान को बनाए रखा। उनकी स्मृतियों को संजोने के लिए तहसील इगलास परिसर में प्रशास. निक एवं जनसहयोग से तहसील के इतिहास को एकत्रित करते हुए शौर्य स्तम्भ की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक युगों–युगों तक तहसील की शोभा बढ़ाने के साथ ही वीर सपूतों की यादों को अक्षुण रखकर ना. जवानों के लिए प्रेरणास्रोत बनते हुए यहां की विरासत आगे बढ़ाएगा।

किसी से छुपा नहीं है कि तहसील इगलास से सेना के विभिन्न अंगों–जल, थल, वायु में यहां के ना. जवान शामिल होकर देश की रक्षा कर रहे हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश की आजादी तक और उसके उपरान्त समय में भी तहसील इगलास का गा. रवशाली इतिहास रहा है। यहां के वीरों ने अपने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए दुश्मनों का डटकर मुकाबला किया है। अपने प्राणों की चिंता न करते हुए भारत माता को गुलामी की जंजीरों से न सिर्फ आजाद कराया बल्कि समय–समय पर उसकी रक्षा भी की। आजादी के लिए ब्रितानियां हुकूमत की गोली ही नहीं खाई बल्कि जेल गये और बड़ी से बड़ी यातनाओं को भी झेला। वर्तमान समय में युवा पीढ़ी उनकी गौरव गा. थाओं को भूलती जा रही है। यह शौर्य स्तम्भ उनकी स्मृतियों को सहे. जने का कार्य करेगा।

उप जिलाधिकारी इगलास महिमा राजपूत ने बताया कि तहसील क्षेत्र के 85 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ ही सीमा पर प्राण न्योछावर करने वाले रणबांकुरों के नाम शौर्य स्तम्भ पर अंकित किये गये हैं। शौर्य स्तम्भ पर 35 फीट ऊँचा राष्ट्रध्वज लहरा रहा है। उन्हा. ेने डीएम–एसएसपी को बताया कि शौर्य स्तम्भ के बन जाने से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं सैन्य परिवारों में खुशी की लहर देखी जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह शौर्य स्तम्भ बलिदानियों के पराक्रम की गौरव गाथा का गवाह बनेगा।

जनपद के समस्त थानों पर आउटरीच प्रोग्राम महिला उत्पीड़न को लेकर किया जागरूक

कासगंज। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन शक्ति फेज–4 के तहत कम्यूनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु शक्ति दीदी (महिला बीट एवं महिला हेल्प डेस्क) के माध्यम से जनपद में विभिन्न स्थानों पर संचालित कराये गये आउटरीच प्रोग्राम।

प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन शक्ति फेज–4 के तहत आज दिनांक 08.11.2023 को पुलिस अधीक्षक कासगंज सौरभ दीक्षित के निर्देशन में शक्ति दीदी (महिला बीट तथा महिला हेल्प डेस्क) के माध्यम से जनपद के समस्त थानों पर आउटरीच प्रोग्राम चलाकर अपने–अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत आबादी क्षेत्र, बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, मेलों एवं गांव में पहुंचकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग कॉरस्पोडेंट सखी, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व राष्ट्रीय पोषण मिशन के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही किसी भी अप्रिय घटना के बारे में संदेह होने पर निम्न नंबरों 112, 1076, 1090, 1930, 102, 108, 1098 या तत्काल थाना पुलिस को सूचित करने के बारे में जागरूक किया गया।

अहृपरेशन जागृति’ अभियान को सफल बनाने हेतु पुलिस कार्यालय सभागार में गोष्ठी

कासगंज। 08 नवम्बर 2023 अपर पुलिस महानिदेशक आगरा, जोन आगरा द्वारा चलाये जा रहे ‘ऑपरेशन जागृति’ अभियान को सफल बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक कासगंज सौरभ दीक्षित द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार कासगंज में आपरेशन जागृति के सम्बन्ध में गोष्ठी की गयी । गोष्ठी में

महिलाओं व बालिकाओं को उसके अधिकारों व सुरक्षा के बारे में समझाना व जागरूक करना, युवा बालिकाओं को साइबर हिंसा के बारे में जागरूक करना, हिंसा से पीड़ित महिलाओं/किशोरियों को काउंसलिंग व रेफरल सुविधा उपलब्ध कराना एवं पोक्सों अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के प्रति जागरूक करना व जन समुदाय को झूठे मुकदमों से होने वाली क्षति के बारे में जागरूक करना एवं ऐसे मामलों में कमी लाना विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा हेतु बनाये गये कानूनों के दुरुपयोग के प्रति लोगों को सचेत करने के बारे जागृत करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया ।इसके अतिरिक्त मिशन शक्ति फेज 4 में महिला सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 112,1076,1090,1930,1098,102,108 आदि के बारे में जानकारी देना व सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, बेटी बचाओं बेटी बढ़ाओं, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि के बारे में जानकारी देकर जागरूक करने हेतु बताया गया । गोष्ठी के दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधीकारीगण व यूनिसेफ टीम के सदस्य आदि मौजूद रहे ।

पुलिस अधीक्षक कासगंज द्वारा थाना ढोलना का आकस्मिक निरीक्षण

कासगंज। पुलिस अधीक्षक कासगंज सौरभ दीक्षित द्वारा थाना ढोलना का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक कासगंज द्वारा आगंतुक रजिस्टर को चौक किया गया साथ ही महिला हेल्प डेस्क कर्मचारी को निर्देशित किया कि आने वाले फरियादियों के साथ पुलिस मित्र की तरह व्यवहार किया जाए व उनकी समस्या को सुनकर, हर संभव मदद की जाए । साथ ही कार्यालय में मालखाना रजिस्टर, आईजीआरएस रजिस्टर आदि को चौक किया गया और जो भी खामियां देखने को मिलीं उनमें शीघ्र सुधार करने तथा दस्तावेजों को अद्यावधिक रखने व रख रखाव को दुरस्त करने के निर्देश दिए गए। तत्पश्चात थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरें, बैरक, बंदीगृह, मैस आदि का निरीक्षण कर साफ सफाई को दुरस्त रखने हेतु निर्देशित किया गया एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला हेल्प डेस्क पर ड्यूटीरत महिला आरक्षी आंचल को सही प्रविष्टयां एवं रख–रखाव आदि उत्तम कार्य हेतु 500/– रु0 के नकद इनाम से पुरस्कृत किया गया।

पंचायत भवन में प्रधान व सहयोगियों के विरूद्ध जांच हंगामा के चलते हुई स्थगित

कासगंज। ग्राम पंचायत देवरी विकास खंड अमांपुर में पिछले लगभग 3 महीने पूर्व ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान द्वारा बड़े पैमाने पर ग्राम पंचायत को मिले विकास कार्य के धन का गबन किया गया। जिसकी शिकायत शिकायतकर्ता ने शपथ पत्र के साथ जिलाधिकारी कासगंज व जिला पंचायत राज अधिकारी कासगंज को की थी। इसी के आधार पर जिलाधिकारी महोदय ने ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की जांच हेतु जिला स्तरीय जांच कमेटी को गठित किया गया। जिसमें जिला कृषि अधिकारी कासगंज को जांच के लिए मुख्य अधिकारी नियुक्त किया। सोची समझी रणनीति के तहत पिछले 3 महीने से जांच प्रक्रिया को लंबित रखा गया। आज जांच अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत में कमेटी सहित जांच के लिए समय सुबह 11रू00 बजे उपस्थित हुए जहां पहले से ही मौजूदा ग्राम प्रधान श्याम सिंह ने अपनी ही फेवर के व्यक्तियों को इकट्ठा कर लिया था। और जांच प्रक्रिया के मामले में जांच अधिकारी द्वारा दस्तावेजों को पढ़कर सुनाया ही जा रहा था इसी के बीच ग्राम प्रधान के ग्रुप के व्यक्तियों ने जांच प्रक्रिया में हंगामा काटने शुरू कर दिया,तथा शिकायतकर्ता व शिकायतकर्ता के घर परिवार वालों से लड़ने के लिए उतारू हो गए। मौजूदा ग्राम प्रधान ने शिकायतकर्ता व उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी और दबाव बनाकर जांच को स्थगित कर दिया। शिकायतकर्ता मौजूदा समय में एक मंडल ब्यूरो चीफ मीडिया से है। इसी के चलते अपने मीडिया साथियों को ऑन कैमरा जांच के लिए बुलाया था। जिसकी पहले से शिकायतकर्ता ने जांच अधिकारी से अनुमति ले ली थी लेकिन मौजूदा ग्राम प्रधान ब ग्राम प्रधान के गुर्गो ने मीडिया साथियों के साथ भी अभद्रता की और गली गलौज दी

इससे साफ जाहिर होता है कि मौजूदा ग्राम प्रधान दबंग प्रवृत्ति का व्यक्ति है।दबंग प्रवृति के प्रधान के सामने शासन प्रशासन व मीडिया के समस्त नियम कानून कोई मायने नहीं रखते हैं इसी के चलते शिकायतकर्ता का प्रशासन से अनुरोध है निकट भविष्य में ग्राम पंचायत में जांच प्रक्रिया को करने के लिए तिथि घोषित कर ग्राम पंचायत में जांच प्रक्रिया पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में कराई जाबे। ताकि यह दबंग प्रवृत्ति का प्रधान शिकायतकर्ता व उसके परिवार के साथ कोई अनहोनी घटना घटित ना कर सके। मौजूदा ग्राम प्रधान ने इससे पूर्व भी शिकायतकर्ता व उसके परिवार को जान से मारने व किसी अज्ञात बहन से कुचलबाने की धमकी दी थी। जिसकी लिखित शिकायत शिकायतकर्ता ने पुलिस प्रशासन को की थी लेकिन अफसोस की बात के शिकायतकर्ता की शिकायत के बावजूद भी दबंग प्रधान के खिलाफ आज तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए शिकायतकर्ता का प्रशासन से अनुरोध है कि आति शीघ्र ग्राम पंचायत देवरी में जांच प्रक्रिया प्रशासन की मौजूदगी में संपन्न करायी जाए।

एनआरएलएम के अंतर्गत लखपति महिला कार्यक्रम संचालित

कासगंज। जिलाधिकारी सुधा वर्मा की अध्यक्षता में लखपति महिला कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि लखपति महिला कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को जागरूक कर आत्म निर्भर बनाया जायेगा। समिति के सभी सदस्य समन्वय बनाकर इस योजना का सफल बनायें। इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लखपति बनाना है जिससे वे आर्थिक रूप से आत्म निर्भर होकर स्वयं का व्यवसाय या उद्यम शुरू कर सकें। मनरेगा में 100 दिन का कार्य, महिला स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के लिये ऋण, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सखी द्वारा विद्युत बिल जमा करना, स्वरोजगार हेतु महिलाओं को अचार, मुरब्बा, पापड़ बनाने एवं हस्तशिल्प का प्रशिक्षण देने एवं अन्य छोटे छोटे उद्योगों, व्यवसायों में महिलाओं को जागरूक कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ और आत्म निर्भर बनाया जाये। ताकि महिलायें अपने परिवार का पालन पोषण करने के साथ ही आगे बढ़ सकें तथा समाज और देश की प्रगति में सहभागी बनें।

जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि सरकार द्वारा समस्त संचालित विभागीय योजनाओं में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाई जाये। उनकी सूची एनआरएलएम को उपलब्ध करायें। जिससे जनपद का डाटाबेस तैयार कराया जाये और महिलाओं की सहभागिता का लक्ष्य पूर्ण हो सके। इसके लिये ब्लाक स्तर पर भी बैठकें कर ली जायें। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि सहभागिता योजना के अंतर्गत महिलाओं को अच्छी नस्ल की गाय निःशुल्क उपलब्ध करायें, जिसमें विभाग द्वारा गाय के भरणपोषण और चारे के लिये 50 रू0 प्रतिदिन दिये जायेंगे। महिलायें गाय के दूध की बिक्री कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकेंगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन–एनआरएलएम के लखपति महिला कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के गरीबी उन्मूलन योजना का ग्राम पंचायत विकास योजना में समेकन एवं आजीविका संवर्धन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित कराया जायेगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सचिन, जिला विकास अधिकारी संजय कुमार, पीडी डीआरडीए, डीपीआरओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीएसए, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, डीएसओ, एसीएमओ, उद्योग सहित समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद की सभी तहसीलों में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

कासगंज। तहसील पटियाली में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, इस दौरान जिलाधिकारी कासगंज सुधा वर्मा व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज जितेंद्र दुबे द्वारा तहसील पटियाली में उपस्थित रहकर लोगों की जनसमस्याएं सुनकर उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही राजस्व सम्बंधी प्रकरणों में राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाकर जल्द से जल्द निस्तारण कराने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसी दौरान ये भी स्पष्ट किया गया कि तहसील दिवस पर आने वाले प्रकरणों को कतई लंबित न रखा जाए, लोगों की शिकायतों पर संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे तुरंत निस्तारित किया जाए तथा तहसील दिवस में आए आवेदन पत्रों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर तय समय से किया जाए। साथ ही निस्तारित की गई समस्या की जानकारी शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराई जाए।

इस दौरान उपजिलाधिकारी पटियाली, क्षेत्राधिकारी पटियाली, तहसीलदार पटियाली, थाना प्रभारी पटियाली आदि अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे।

प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या, हत्या का पुलिस ने 48 घंटे में किया खुलासा

कासगंज। थाना कोतवाली कासगंज जनपद कासगंज पर वादिया पूजा सक्सैना पत्नी हृदय मोहन सक्सैना नि0 गंगेश्वर कालोनी थाना व जनपद कासगंज ने अपने पति हृदय मोहन सक्सैना की हत्या के सम्बन्ध में तहरीरी सूचना दी जिसके आधार पर थाना कासगंज पर मु0अ0सं0 789/23 धारा 302,452,352 भादवि0 बनाम बन्टी, बबली एवं गुड़िया बावत उक्त तीनों अभियुक्तगण द्वारा वादिया के पति हृदय मोहन सक्सैना की हत्या वादिया की आखों के सामने किया जाना विषयक पंजीकृत की गयी । अभियोग की विवेचना स्वयं प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली कासगंज द्वारा ग्रहण कर प्रारम्भ की गयी । विवेचना से अभियोग में वादिया पूजा सक्सैना उपरोक्त एवं अपने प्रेमी बन्टी पुत्र सन्नू नि0 गंगेश्वर कालोनी कासगंज के साथ मिलकर पति हृदय मोहन सक्सैना की रस्सी से गला घोटकर हत्या करना पायी गयी है,आपको बताते चलें कि पुलिस अधीक्षक कासगंज सौरभ दीक्षित के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज जितेन्द्र कुमार दुबे के पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर अजीत चौहान के नेतृत्व में आज दिनांक 15 नवम्बर 2023 को मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्तगण 1. पूजा पत्नी स्व0 हृदय मोहन सक्सैना एवं 2.बन्टी पुत्र सन्नू नि0गण उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया है । अभियुक्ता पूजा की निशादेही से हत्या में प्रयुक्त रस्सी पूजा के मकान से बरामद की गयी है । दोनों अभियुक्तगण को न्यायालय पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही जा रही है पूछताछ के दौराने वादिया/अभियुक्ता द्वारा बताया गया कि वह पिछले एक सप्ताह से सर्च इन्जन गूगल पर बिना सबूत छोड़ हत्या को कैसे अन्जाम दिया जाये और जहर खाने से क्या प्रभाव पड़ते है, कीटनाशक के क्या प्रभाव होते है आदि कन्टेंट को गूगल पर सर्च किया जा रहा था । कड़ाई से पूछताछ किये जाने पर अभियुक्ता पूजा द्वारा बताया गया कि पति आटो चालक है रात्रि में टैम्पो चलाकर 200–300 रूपये कमाकर लाता है । जिसमें घर का खर्च पूरा ना हो पाना तथा जूस विक्रेता बन्टी से अवैध सम्बन्ध होना तथा बन्टी के द्वारा घर का खर्चा चलाना एवं दिनांक 13 नवम्बर 2023 की रात्रि में मृतक हृदय मोहन सक्सैना के द्वारा आपत्तिजनक स्थिति में बन्टी के साथ पूजा को अपने घर में ही देख लिये जाने पर विरोध करने पर पूजा व बन्टी दोनों के द्वारा मौके पर ही रस्सी से गला घोटकर हृदय मोहन सक्सैना की हत्या किया जाना पाया गया है । गिरफ्तार दोनों अभियुक्तगण द्वारा अपने जुर्म को स्वीकार किया गया है ।

जेल से फिर बाहर आएगा रेप का दोषी राम रहीम

चंडीगढ़। रेप और हत्या केस में रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहा गुरमीत राम रहीम फिर जेल से बाहर आ गया है. डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत को 21 दिन की फरलो मंजूर कर ली गई है. बता दें कि 2017 में सजा सुनाए जाने के बाद से अब तक राम रहीम कुल 7 बार जेल से बाहर आ चुका है. इसी साल जन्मदिन से पहले उसे 20 जुलाई को पैरोल मिली थी. तब वह 30 दिन के लिए बाहर आया था।

फरलो एक तरह की छुट्टी जैसी होती है, जिसमें सजायाफ्ता कैदी को जेल से कुछ दिनों के लिए रिहा किया जाता है. फरलो की अवधि को कैदी की सजा में छूट और उसके अधिकार के तौर पर देखा जाता है. आमतौर यह अधिकार लंबे समय के लिए सजा पाए कैदी के लिए होता है. इसे बिना कारण के भी दिया जाता है. इसका मकसद कैदी अपने परिवार और समाज से मिल सके. लेकिन हर राज्य में फरलो को लेकर अलग–अलग प्रावधान हैं. उत्तर प्रदेश में फरलो देने का कोई नियम नहीं है।

बदला खेती का तरीका तो चमकी किस्मत... यूपी का ये किसान बना मिसाल

मऊ। बात जब नगदी फसलों की होती है, तो पूर्वांचल के लोग गन्ने की खेती की तरफ रुख करते हैं. हालांकि मऊ जिले के कोपागंज ब्लॉक के राजपुरा गांव के एक किसान ने पारंपरिक खेती की परंपरा ही बदल दी है. धान, गेहूं और अन्य पारंपरिक फसलों की जगह रजपुरा के किसान नरेंद्र राय ने अमरूद की बागवानी शुरू की है. इसके लिए उन्होंने 1 बीघे जमीन में अमरूद के पौधे लगवाए हैं. इससे उनको लाखों का मुनाफा हो रहा है. किसान नरेंद्र राय ने बताया कि जब उन्हें धान और गेहूं की खेती में मन. चाही सफलता नहीं मिली, तो अमरूद की बागवानी शुरू की. इसके लिए उन्होंने लखनऊ से ता. इवानी पिंक वैरायटी के अमरूद के पौधे मंगवा कर लगवाए. उन्होंने बताया कि एक पेड़ की कीमत 100 रुपये है. जबकि अमरूद की खेती में खेत को संवारने का झंझट नहीं रहता है. खेत में एक बार अमरूद का पेड़ लगाने पर 15–20 साल तक फल बेचकर लाभ कमाया जा सकता है।

किसान नरेंद्र राय ने बताया कि अमरूद की खेती में शुरू के दिनों में केवल सिंचाई की जरूरत होती है. इसके अलावा इस खेती में कोई मेहनत नहीं होती है. करीब 6 महीने में ही यह पेड़ फल देने लगता है. इसके एक फल का वजन 300 से 400 ग्राम तक का होता है. अमरूद की इस बागवानी से हर साल 3 से 4 लाख रुपये की आमदनी हो रही है. साथ ही बताया कि उनकी इस सफलता को देखते हुए आसपास के किसान भी इस खेती की सलाह लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

उत्तरकाशी टनल रेस्क्यू मिशन में डीआरडीओ की एंट्री

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी टनल बचाव को लेकर सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के निदेशक अंशू मनीष खलखो ने कहा कि डीआरडीओ ने क्रमशः 20 किलो और 50 किलो वजन वाले 2 रोबोट भेजे हैं. ये रोबोट जमीन पर चलते हैं और यहां जमीन रेत की तरह काम कर रही है, हमें आशंका है कि रोबोट वहां चल पाएंगे या नहीं..' उन्होंने कहा कि रोबोट्स को लेकर अभियान में मदद मिलेगी या नहीं; इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशू मनीष ने कहा कि टनल में राहत कार्यों के लिए सड़क मार्ग से बहुत सारी मशीनरी आ रही है. यहां सभी एजेसियां मोर्चे पर जुट गई हैं और भारी–भरकम मशीनें एक–दो दिन में यहां आ जाएंगी. उन्होंने कहा कि बीआरओ इस छोर और बड़कोट छोर पर जहां भी जरूरत है, वहां सड़क बना रहा है; दोनों तरफ सड़कें तैयार हैं. अब हम मशीनरी का इंतजार कर रहे हैं. मशीनें बहुत भारी हैं, उन्हें हवाई मार्ग से नहीं ले जाया जा सकता३"

एक साथ पांच योजनाओं पर काम करने का फैसला

फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने के लिए एक साथ पांच योजनाओं पर काम करने का फैसला किया. इन पांच योजनाओं में सिल्क्यारा और बरकोट दोनों किनारों के एक सिरे से दूसरे सिरे तक ड्रिलिंग, फिर ऊपर से ऊर्ध्वाधर ड्रिलिंग और लंबवत ड्रिलिंग शामिल है. अधिक. ारियों ने बताया कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को लगातार खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है. उन्हें ऑक्सीजन, बिजली, दवाई और पानी भी पाइप के जरिए निरंतर पहुंचाई जा रही है. उन्होंने कहा कि श्रमिकों से निरंतर बातचीत जारी है और बीच–बीच में उनकी उनके परिजनों से भी बात कराई जा रही है. चारधाम परियोजना के तहत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरंग का सिलक्यारा की ओर के मुहाने से 270 मीटर अंदर एक हिस्सा ढह गया था जिससे उसमें फंसे 40 श्रमिकों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है.

रिटायर फौजी ने अब खेती में गाड़ा झंडा

2 बीघा जमीन पर नीबू की फसल उगाकर कमा रहा लाखों

बागपत। 'जय जवान–जय किसान' की झलक एक साथ देखनी हो तो बागपत चले आइए. भारतीय सेना के अधिकांश फौजी रिटायर होने के बाद किसी शहर में घर बनाकर आराम से बची हुई जिन्दगी जीते हैं. लेकिन आज हम एक ऐसे फौजी के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद आराम करने के बजाए गांव में आकर खेती शुरू कर दी. अब वे खेती से साल में लाखों रुपये की कमाई कर रहे हैं।

बागपत का एक रिटायर फौजी इन दिनों नींबू की खेती कर लाखों की आमद कर रहा है. रिटायर फौजी ने दो वर्ष पूर्व लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए नींबू की खेती करना शुरू किया. शामली से नींबू के पौधे लाकर दो बीघा जमीन पर उगाने शुरू किये और आज के समय में किसान दो बीघा जमीन पर नींबू की फसल उगाकर 2 लाख रुपये का सालाना मुनाफा कमा रहा है. रिटायर फौजी की इस खेती को अन्य लोग देखने आते हैं।

नींबू ने इस किसान की बदली किस्मत

बागपत के गौरीपुर गांव के रहने वाले तेजपाल सिंह चौहान एयरफोर्स से रिटायर होने के बाद अपने गांव पहुंचे और लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा कुछ काम करने का मन में विचार आया. इसके बाद उन्होंने ऑर्गेनिक तरीके से नींबू की खेती करना शुरू किया. शामली से नींबू के पौधे लाकर अपनी दो बीघा जमीन में उनकी रोपाई कर दी. आज के समय में किसान की दो बीघा जमीन पर नींबू के पौधे तैयार हैं और हर वर्ष रिटायर फौजी को 2 लाख से अधिक का मुनाफा दे रहे हैं।

रिटायर फौजी तेजपाल सिंह ने बताया कि नींबू के पौधे को 12 ×12 फिट की दूरी पर लगाया गया है. नींबू का पौधा 18 महीने बाद फल देना शुरू कर देता है और इस नस्ल का पौधा लगातार पूरे साल तक फल देता है. इस फसल में आवारा पशुओं का भी कोई नुकसान नहीं होता और किट भी इस पर कोई नुकसान नहीं पहुंचते, जिससे यह अधिक मुनाफे की खेती मानी जाती है.

लाखों की हो रही है कमाई

रिटायर फौजी द्वारा उगाए गए नींबू की मार्केट में अच्छी खासी डिमांड है और 40 से लेकर 60 रुपये किलो तक नींबू आसानी से मार्केट में बिक जाता है. जिससे रिटायर फौजी को मुनाफा मिल जाता है. कुंभकाट नस्ल के इस नींबू का अचार अत्यधिक स्वादिष्ट होता है. जिससे इस नींबू की मार्केट में और अधिक डिमांड बढ़ जाती है।

योगी आदित्यानाथ बोले- कांग्रेस होती तो कोरोना वैक्सीन ब्लैक में बिकती

जयपुर। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज जयपुर के आमेर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना के दौर में अगर कांग्रेस सरकार होती तो वै. क्सीन ही नहीं आती और आती भी जाती तो ब्लैक में मिलती. योगी ने कांग्रेस को समस्या और बीजेपी को समाधान बताते हुए राम के नाम पर जनता से वोट मांगे. इसके साथ ही आमेर प्रत्याशी सतीश पूनिया से क्षेत्रवासियों को अयोध्या की यात्रा कराने को भी कहा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजस्थान के चुनावी दौरे पर बीजेपी के लिए लगातार बतौर स्टार प्रचारक विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जा रहे हैं. इसी कड़ी वे वे आज जयपुर जिले के आमेर विधानसभा क्षेत्र के दौलतपुरा गांव पहुंचे थे. वहां उन्हा. ेंने बीजेपी प्रत्याशी सतीश पूनिया के लिए वोट मांगे. योगी ने कहा कि राजस्थान पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार के समय विकास में नबंर एक था. लेकिन अब अपराध, गोकसी, महिला अत्याचार और साइबर अपराध में नंबर वन बन गया है।

मोदी शासन में हर समस्या का समाधान हुआ है

योगी ने कहा कि मोदी ने देश की समस्याओं के लिए समाधान दिए हैं. भले ही आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हो या फिर देश में सड़क से लेकर हवाई परिवहन की बात हो. मोदी शासन में हर समस्या का समाधान हुआ है. आज आईआईएम और आईआईटी समेत हर घर नल योजना से लोगों को राहत दी जा रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक नेता कहते थे देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमानों का है. लेकिन मोदी कहते है देश के संसाधनों पर गांव, गरीब, किसान, नौजवान, वंचित और समाज के सभी तबके का है. यही समाज की आधारशिला है।

कांग्रेस समस्या का और बीजेपी समाधान का नाम है

योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस कभी कहती थी की राम और कृष्णा हुए ही नहीं. लेकिन हमने तो कहा था कि राम लला हम आयेंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे. इससे पहले कहा था ढांचा हटाएंगे और हटाया भी. कांग्रेस देश की समस्या का नाम और बीजेपी समाधान का नाम है. राजस्थान त्याग और बलिदान की भूमि है. राजस्थान देश की सीमा को मजबूत रखने वाली भूमि है. यह त्याग और शौर्य के लिए जानी जाती है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर बोले रामनाथ कोविंद

लखनऊ। पूर्व राष्ट्रपति और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने कहा कि समिति के सदस्य जनता के साथ मिलकर इस विचार (वन नेशन–वन इलेक्शन) को दोबारा लागू करने के संबंध में सरकार को सुझाव देंगे. मीडिया से बात करते हुए रामनाथ कोविंद ने कहा, 'भारत सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति बनाई और मुझे इसका अध्यक्ष नियुक्त किया. समिति के सदस्य जनता के साथ मिलकर इसे दोबारा लागू करने के संबंध में सरकार को सुझाव देंगे।' रामनाथ कोविंद ने कहा कि मैंने सभी राष्ट्रीय स्तर पर पंजीकृत राजनीतिक दलों के साथ संवाद किया है और उनके सुझाव मांगे हैं. हर राजनीतिक दल ने किसी न किसी समय इसका समर्थन किया है. हम सभी दलों से उनके रचनात्मक समर्थन के लिए अनुरोध कर रहे हैं. यह देश के लिए फायदेमंद है. यह राष्ट्रीय हित का मामला है.' रामनाथ कोविंद ने बताया कि किसी भी राजनीतिक दल का इससे कोई लेना–देना नहीं है और इससे अंततः जनता को फायदा होगा क्योंकि जो भी पैसा बचेगा उसका उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकता है।

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर समिति की दूसरी बैठक 25 अक्टूबर को राष्ट्रीय रा. जधानी में संपन्न हुई. बैठक के दौरान एक देश एक चुनाव के कार्यान्वयन के संबंध में सभी कानूनी और संवैधानिक संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई. इस बीच दिल्ली के जोधपुर ऑफिसर हॉस्टल में पहली मीटिंग करीब 45 मिनट और दूसरी मीटिंग करीब डेढ़ घंटे तक चली।

केंद्र सरकार ने इससे पहले सितंबर में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे की जांच करने और देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए सिफारिशें करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था. 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के पीछे केंद्रीय विचार पूरे देश में चुनावों की आवृत्ति को कम करने के लिए सभी राज्यों में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के समय को समकालिक करना है. यह अवधारणा 1967 तक प्रचलित थी, लेकिन दलबदल, बर्खास्तगी और सरकार के विघटन जैसे विभिन्न कारणों से यह बाधित हो गई।

एक संत ऐसे भी........ लात मारकर भक्तों को देते थे आशीर्वाद

दिल्ली। सिद्ध संतों के दर्शन से कष्ट दूर हो जाते हैं और अगर कहीं उनका आशीर्वाद मिल गया तब तो जीवन सफल समझो. ऐसे ही एक बाबा की कहानी पूरे संस्कारधानी में प्रसिद्ध है, जिनके बारे में बताया जाता है कि वह अपने भक्तों को लात मार कर आशीर्वाद दिया करते थे. बताया जाता है कि बाबा जिस भक्त को अपने पैरों से आशीर्वाद दे दें, उसकी मनोकामना पूर्ण हो जाती थी।

कहते हैं भोले बाबा दिव्यांग थे. न तो वह अपने हाथों का इस्तेमाल कर सकते थे और न ही बोल सकते थे. वह अपनी दिनचर्या के कार्य पैरों से किया करते थे और जो भी भक्त अपनी मनोकामना लेकर उनके पास पहुंचता था, वह पैरों से स्लेट में उसका निराकरण लिखकर बताया करते थे. कई वर्षों पहले भोले बाबा जबलपुर संस्कारधानी के शक्ति नगर में एक पेड़ के नीचे बैठा करते थे. इसके बाद जब लोगों ने वहां देखा कि यह बाबा न तो बोल सकते हैं, न हाथों को हिला सकते हैं तब ला.`गों ने धीरे–धीरे वहां पर आकर उन्हें खाना–पीना और आदि वस्तुएं देना शुरू कर दिया. उसके बाद धीरे–धीरे भोले बाबा के भक्तों की भीड़ वहां बढ़ने लगी. उन्होंने पैरों से लिखकर लोगों की समस्या का नि. राकरण करना शुरू कर दिया. वह जिस भक्त को पैरों से आशीर्वाद दे देते थे, उसकी मनोकामना पूर्ण हो जाती थी।

मंदिर में मौजूद लोगों का मानना है कि संत भोले बाबा भगवान शिव के बहुत बड़े उपासक थे. कई लोगों ने तो यह भी बताया कि वह स्वयं भोलेनाथ के एक अंश थे. कहते हैं कि भोले बाबा काफी सिद्ध थे और उनके पैरों से आशीर्वाद लेकर लोगों की कई बीमारियां दूर हो जाया करती थी. लोग देश–प्रदेश से बाबा के पास अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते थे. बाबा जिस भी भक्त को अपने पैरों से आशीर्वाद दे देते थे, लोगों के अनुसार, उसकी मनो. कामना पूर्ण हो जाती थी. मनोकामना पूर्ण होने के बाद भक्त दोबारा इस मंदिर में पहुंचकर भंडारा आदि आयोजन करवाते थे. लोगों ने बताया कि भोले बाबा किसी भी भक्त से किसी भी प्रकार की दक्षिण या सेवा नहीं लेते थे. वह सिर्फ उस स्थल पर निरंतर भगवान शिव की उपासना में लीन रहते थे।

65 वर्षों से जल रही अखंड ज्योति कहते हैं जब से इस मंदिर की स्थापना हुई है, तब से यहां पर अनवरत अखंड ज्योति और भोले बाबा की धूनी जलाई जा रही है. लोगों ने बताया कि आज तक भोले बाबा की उम्र का भी अंदाजा नहीं लग सका. मौजूद लोगों ने बताया कि उनके बुजुर्ग और उनके पहले के भी बुजुर्गों ने भोले बाबा को एक ही स्वरूप में देखा है. इस मंदिर में शरद पूर्णिमा के दिन बंटने वाली खीर की एक चम्मच के लिए भक्त देश–प्रदेश से यहां पहुंचते हैं. क्योंकि, उस खीर की ऐसी मान्यता है कि एक चम्मच से बड़ी–बड़ी बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है. जबलपुर संस्कारधानी के शक्तिनगर में स्थित यह स्थान पूरे क्षेत्र में भोले कुटी के नाम से प्रसिद्ध है.

डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद जरूर करें ये काम, मनोकामना होगी पूर्ण!

बिहार। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला छठ महापर्व संपूर्ण देश में धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन सूर्यदेव और षष्ठी मैया की उपासना की जाती है. छठ पर्व का यह व्रत सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है. धार्मिक मान्यता है कि छठ का व्रत संतान प्राप्ति की कामना, कुशलता, सुख–समृद्धि और संतान की दीर्घायु के लिए किया जाता है. वैसे तो इस पर्व की झलक समूचे देश में मिल जाएगी, लेकिन मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, पूर्वी यूपी में मनाया जाता है।

छठ पर्व में पहले डूबते सूर्य को फिर अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. इस संबंध में पंडित पंकज झा ने बताया कि छठी माता और भगवान सूर्य की उपासना का यह दिन अत्यन्त पावन है. इस पर्व में भगवान सूर्य को संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य देने का शास्त्र मत है. इससे व्यक्ति के जीवन में चमात्कारिक परिवर्तन आते हैं और भगवान सूर्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है. बताया कि जो लोग अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना करते हैं, उन्हें प्रातःकाल की उपासना भी जरूर करनी चाहिए, तभी पूजा सफल मानी जाएगी।

ऐसे दिया जाता है अर्घ्य

पंडित जी ने बताया कि सूर्य को अर्घ्य देने से व्यक्ति को समस्याओं और रोगों से मुक्ति मिलती है. सूर्यदेव के पूजन से घर में सुख–समृद्धि और खुशहाली आती है, इसलिए छठ पर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य देते के लिए आप एक लोटे में जल और गाय का कच्चा दूध ले लीजिए. उसके अंदर लाल पुष्प, लाल पीला कुमकुम, अक्षत, डाल लें और भगवान सूर्य की ओर मुख कर के पतली धार के साथ अर्घ्य देकर उनके मंत्र का जाप करें. इसके बाद उन्हें धूप दीप करें और ऋतुफल अर्पित करें. इसके बाद उनसे उपासना पूजा में हुई भूल के लिए क्षमा मांग लें.

छठ पूजा में संध्या अर्घ्य का महत्व

छठ पूजा में संध्या काल में दिए जाने वाले अर्घ्य को लेकर मान्यता है कि सूर्य की एक पत्नी का नाम प्रत्यूषा है और संध्या का अर्घ्य उन्हीं को दिया जाता है. संध्या काल में अर्घ्य देने से कुछ विशेष लाभ होते हैं. इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है, लंबी आयु मिलती है और आर्थिक सम्पन्नता आती है. संध्या काल का अर्घ्य विद्यार्थी भी दे सकते हैं।

अर्घ्य मंत्र.

ऊँ ऐं हीं सूर्यदेव सहस्त्रांशो तेजो राशि जगत्पते।
अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणार्ध्य दिवाकररू।।
ऊँ सूर्याय नमरू, ऊँ आदित्याय नमरू,
ऊँ नमो भास्कराय नमरू। अर्घ्य समर्पयामि।।

सूर्य को संध्या काल में अर्घ्य देने का फल

सूर्यदेव को सायंकाल में अर्घ्य प्रदान करने से त्वरित लाभ की प्राप्ती होती है. मान्यता है कि संध्या काल में अस्ताचलगामी सूर्य अपनी दूसरी पत्नी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं, जिनको अर्घ्य देना तुरंत प्रभावशाली होता है. जो लोग अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना करते हैं, उन्हें प्रातःकाल की उपासना भी जरूर करनी चाहिए.

औरंगजेब भी शक्ति के सामने हुआ था नतमस्तक

पटना। 'उगते को पूजने वाला सारा संसार है, डूबते सूर्य हो आराध्य जहां पर वही अपना बिहार है३ ' मगध क्षेत्र के इतिहास के जानकार अरविंद महाजन कहते हैं कि आदिकाल से मगध में सूर्य पूजन की पद्धति रही है. ऐसी मान्यता है कि छठ पहले पहल मगध से ही शुरू होकर पूरी दुनिया में फैला।

औरंगाबाद की सूर्य स्थली देव को सूर्य पूजन की लोक परंपरा का जन्मदाता माना जाता है. यह मंदिर अपने अंदर कई रहस्यों को समेटे हुए है. रहस्य ऐसा जिसे सुन कर हर कोई चौंक जाएं. रहस्यों में मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में होना, आदित्य देव का त्रिदेव रुप में वि. राजमान होना, शिव पैरों पर बैठी हुई माता पार्वती और मुख्य द्वार पर भगवान विष्णु की खंडित मूर्ति शामिल है. आइए जानते हैं इसके पीछे की क्या मान्यता है।

मंदिर में भगवान सूर्य तीन स्वरूपों में विराजमान हैं. भगवान सूर्य यहां उदय काल में ब्रह्मा, मध्याह्न में विष्णु व संध्या काल में महेश के रूप में दर्शन देते हैं. मंदिर के पुजारी बताते हैं कि देव सूर्य मंदिर का मुख्य द्वार पश्चिमाभिमुख है. कहा जाता है कि औरंगजेब अपनी शासनकाल में देश के मंदिरों को तोड़ते हुए देव पहुंचा था. जब वह सूर्य मंदिर को तोड़ने लगा, तो यहां के पुजारियों ने मना किया।

तब औरंगजेब ने कहा कि अगर सूर्यमंदिर में कुछ सत्यता है, तो रातभर का समय देता हूं अगर मंदिर का द्वार पूर्व से पश्चिम हो जाएगा, तो हम मंदिर को छोड़ देंगे. ऐसा ही हुआ, रात में तेज गर्जना के साथ मंदिर का द्वार पश्चिम दिशा की ओर हो गया. तब औरंगजेब मंदिर को नहीं तोड़ सका. आपको बता दें कि देव सूर्य मंदिर करीब 100 फीट ऊंचा है. मान्यता है कि इस सूर्य मंदिर का निर्माण त्रेता युग में भगवान विश्वकर्मा ने खुद किया था.

मंदिर निर्माण की कहानी

मंदिर के निर्माण के बारे में मंदिर में लगे शिलालेख से ही पता चलता है. शिलालेख में लिखा है कि त्रेतायुग में राजा एल ने इसका निर्माण कराया था. वह कुष्ठ रोग से ग्रसित थे. एक दिन देव स्थित तालाब का जल ग्रहण किया तो राजा के हाथ में जहां–जहां जल का स्पर्श हुआ वहां का कुष्ठ रोग ठीक हो गया. राजा उस तालाब में कूद गए जिस कारण उनके शरीर का कुष्ठ रोग ठीक हो गया. रात में राजा को सपना आया कि जिस तालाब में उन्होंने स्नान किया है उस तालाब में भगवान सूर्य की तीन स्वरूपी प्रतिमा दबी पड़ी है. राजा ने जब तालाब खुदवाया तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश के रूप में तीन प्रतिमाएं मिलीं.

भगवान विष्णु श्राप के कारण बन गए थे 'पत्थर'

नई दिल्ली। वनस्पतियों में तुलसी का पौधा हर घर में रखा जाता है, इतना ही नहीं इस पौधे के प्रति श्रद्धा से शीश भी नवाया जाता है क्योंकि यह कोई साधारण पौधा नहीं है बल्कि गंगा, यमुना, गोदावरी जैसी नदियों की भांति पवित्र माना गया है, यह पौधा औषधीय गुणों की खान है. कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव हिंदू समाज के लोग बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाते हैं. कुछ लोग कार्तिक शुक्ल नवमी, दशमी और एकादशी को व्रत एवं पूजन कर अगले दिन तुलसी का पौधा किसी ब्राह्मण को देकर पर्व मनाते हैं तो कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पांचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं. का. र्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन किया जाएगा जो 23 नवंबर को है. तुलसी को विष्णु प्रिया भी कहते हैं. तुलसी की पूजा करने के पीछे एक लंबी कथा छिपी है, आइए जानते हैं।

प्राचीन काल में शंखचूड़ नाम का एक वीर और पराक्रमी राक्षस था, जल से उत्पन्न होने के कारण उसका एक नाम जालंधर भी था. उसने चारों तरफ उत्पात मचा रखा था. उसका विवाह असुर कुल के हिरण्याक्ष के पुत्र कालनेमि की कन्या वृंदा से हुआ था. उसकी वीरता का रहस्य पत्नी वृंदा थी. उसे वरदान था कि जब तक उसकी स्त्री का सतीत्व सुरक्षित है उसे कोई नहीं मार सकता. जालंधर के आतंक से भयभीत ऋषि और देवता विष्णु के पास गए और उससे उद्धार दिलाने की प्रार्थना की. इस पर विष्णु जी ने योगमाया से एक मृत शरीर वृंदा के घर में फेंकवा दिया. जिसके शरीर की आकृति जालंधर जैसी थी. माया का पर्दा होने से वृंदा को वह शव अपने पति जालंधर का दिखा और पति का मृत देख वह विलाप करने लगी. इसी समय एक सिद्ध साधु उधर से निकले और वृंदा को विलाप करते देख रुक गए और रोने का कारण पूछा. इस पर साधु ने वृंदा से विलाप बंद करने का आग्रह करते हुए उस मृत शरीर में जान फूंक दी. इससे वृंदा बहुत प्रसन्न हुई और भावना में बह कर उसने उस शरीर का आ. लिंगन कर लिया जिससे उसका पतिव्रत धर्म नष्ट हो गया. वृंदा का सतीत्व भंग होते ही देवताओं से युद्ध कर रहा उसका पति जालंधर मारा गया, बाद में वृंदा को भगवान विष्णु के इस छल की जानकारी हुई. जो देवताओं से युद्ध कर रहा था, उसके सतीत्व के नष्ट होते ही मारा गया।

वृंदा के शाप से पत्थर बन गए श्री विष्णु

जब वृंदा को इस बात का पता लगा तो क्रोधित हो कर उसने विष्णु जी को पत्थर होने का श्राप दे दिया. उसने कहा कि जिस प्रकार तुमने छल से मुझे पति वियोग दिया है, उसी प्रकार तुम भी अपनी पत्नी के छलपूर्वक हरण होने पर स्त्री वियोग सहने के लिए मृत्युलोक में जन्म लोगे. उन्होंने पत्थर होने का श्राप भी दिया और अपने पति के शव के साथ सती हो गयी. उनके शाप के प्रभाव से विष्णु जी शालिग्राम पत्थर बन गए. अपने किए पर लज्जित भगवान विष्णु ने कि हे वृंदा, तुम मुझे लक्ष्मी से भी अधिक प्रिय हो. यह तुम्हारे सतीत्व का ही फल है कि तुम तुलसी बन कर मेरे साथ रहोगी और मनुष्य मेरे साथ तुम्हारे विवाह का उत्सव मनाएंगे. जो ऐसा करेगा वह परमधाम को प्राप्त होगा. इसी कारण शालिग्राम या विष्णु शिला की पूजा बिना तुलसी के अधूरी मानी जाती है.

शी–बाइडन मुलाकात

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की बुधवार को हुई मुलाकात कई वजहों से अहम रही। अव्वल तो इसने दुनिया के मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छींटे मारने का काम किया है। दूसरी बात यह कि दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों के प्रमुखों की इस मुलाकात के दौरान कूटनीतिक संतुलन साधने की कुशलता अपने बेहतरीन रूप में नजर आई। दोनों नेता ऐसे समय में मिल रहे थे, जब दुनिया रूस–यूक्रेन और इस्राइल–हमास यु) की दोहरी चुनौतियों से जूझ रही है और दोनों ही मामलों में चीन और अमेरिका की सहानुभूति परस्पर

विरोधी खेमों के साथ जुड़ी है। जहां अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, वहीं चीन रूस का साथ छोड़ने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर, अमेरिका इस्राइल के आत्मरक्षा के अधिकार का मुखर प्रवक्ता बना हुआ है तो चीन गाजा में नागरिक आबादी पर हमले की निंदा करने में आगे है। इन तात्कालिक मुद्दों के अलावा भी पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर दूरी इतनी बढ़ गई कि उसे दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी के बीच ट्रेड वॉर कहा गया। साउथ चाइना सी और ताइवान जैसे मसलों पर चीनी आक्रामकता और उस पर रोक लगाने की कोशिशें तो अपनी जगह थीं ही। इन सबके कारण दोनों पक्ष आपसी दूरी को कम करना जरूरी समझ रहे थे।

जैसा कि मुलाकात के बाद जारी बयान में संकेत दिया गया कि 'ताइवान, टेक्नॉलजी, साउथ चाइना सी या रूस को चीनी सहायता जैसे मसलों पर तनाव को बढ़ने देने से उसके संघर्ष का रूप लेने का खतरा' है। इसी खतरे को टालने की दिशा में एक ठोस प्रगति यह हुई कि बैठक में सर्वोच्च स्तर पर बातचीत का चैनल हमेशा खुला रखने का फैसला किया गया। तय हुआ कि जब भी जरूरत होगी दोनों राष्ट्रपति फोन पर एक–दूसरे से बात कर लिया करेंगे। ऐसे संकेत मिले कि खास तौर पर आर्थिक मसले पर दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों में उभरे मतभेद आने वाले समय में कुछ कम होते दिखेंगे। मगर इस बीच अंतरराष्ट्रीय सामरिक समीकरण जो रूप ले चुके हैं उसे देखते हुए न तो ये दोनों देश एक–दूसरे के ज्यादा करीब आ सकते हैं और न ही ऐसा परसेप्शन बनने दे सकते हैं। इस बात को लेकर सतर्कता भी चार घंटे चली इस मुलाकात के दौरान साफ नजर आई। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन अच्छे मेजबान की भूमिका में रहे और यह बताया कि कैसे शी चिनफिंग के साथ उनके बरसों पुराने रिश्ते हैं, लेकिन उन्हें पुराना दोस्त बताने की रवायत से सचेत रूप में बचे रहे। यही नहीं, इस मुलाकात के कुछ घंटे के अंदर ही मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए शी चिनफिंग को तानाशाह बताने वाला अपना पुराना बयान भी दोहरा दिया। साफ है कि दोनों महाशक्तियों के रिश्तों के समीकरणों में तत्काल कोई नाटकीय बदलाव नहीं आने वाला।

मुइज़्ज़ू ने मालदीव का राष्ट्रपति बनते ही भारत से की ये मांग, सऊदी अरब से क्या कहा

मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू के नेतृत्व में आई नई सरकार ने अपने कामकाज के पहले दिन भारत से औपचारिक गुज़ारिश की है कि वो मालदीव से भारतीय सैनिकों को वापस बुलाए.

राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ़ से जारी एक बयान में कहा गया है कि मालदीव सरकार ने औपचारिक तौर पर भारत सरकार से गुज़ारिश की है कि मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों को वहां से हटाया जाए.

बयान के अनुसार राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गए भारत के पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाक़ात के दौरान मुइज़्ज़ू ने औपचारिक तौर पर इस मुद्दे पर उनसे बात की.

चीनी प्रतिनिधि से क्या हुई बात?

इस दौरान मुइज़्ज़ू ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की विशेष दूत के रूप में स्टेट काउंसिलर शेन यीचिन से मुलाक़ात की और चीन और मालदीव के बीच संबंध और अधिक मज़बूत करने पर चर्चा की.

मुइज़्ज़ू ने मालदीव के सामाजिक–आर्थिक विकास में चीन की भूमिका की तारीफ़ की और कहा कि शनिवार का दिन दोनों देशों में ऐतिहासिक रिश्तों में नया अध्याय साबित होगा.

इस दौरान उन्होंने दक्षिण कोरिया के बुसान के मेयर पार्क ह्योंग जून से मुलाक़ात की और शिक्षा, पब्लिक हाउसिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यटन के मुद्दों पर चर्चा की.

फ़लस्तीन मुद्दे पर सऊदी अरब की तारीफ़

मालदीव के लिए फ़लस्तीन के दूत वालिद एएम अबू अली से मुलाक़ात के दौरान मोहम्मद मुइज़्ज़ू ने कहा कि मालदीव के लोग पहचान और सम्मान की फ़लस्तीनी लोगों की लड़ाई में उनके साथ हैं.

उन्होंने ग़ज़ा में इसराइल के सैन्य अभियान की कड़ी आलोचना की और तुरंत युद्ध विराम की ज़रूरत पर ज़ोर दिया.

उन्होंने कहा कि इलाक़े में स्थिरता और शांति बहाल करने के लिए 1967 में तय की गई सीमा के अनुसार फ़लस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बसाया जाना चाहिए.

उन्होंने सऊदी अरब के शाह सलमान के विशेष दूत और सऊदी अरब के अर्थव्यवस्था और योजना मंत्री फ़ैसल बिन फदहील अल–इब्राहिम से भी मुलाक़ात की. इस दौरान उन्होंने कहा कि मालदीव के विकास में सऊदी अरब की अहम भूमिका है और दोनों मुल्क अपने आपसी संबंध और मज़बूत करने की दिशा में काम करेंगे.

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद से लड़ने में मालदीव मदद करता रहेगा. साथ ही उन्होंने मध्य–पूर्व और ख़ासकर फ़लस्तीन में शांति और स्थिरता लाने की सऊदी अरब की कोशिशों की तारीफ़ की.

भारत से क्या कहा ?

राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ़ से जारी एक अन्य बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच इस दौरान द्विपक्षीय रिश्तों को मज़बूत करने को लेकर चर्चा हुई. साथ ही भारत की मदद से मालदीव में चल रही परियोजनाओं पर भी बात हुई.

बातचीत के दौरान राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू ने कहा कि सितंबर में मालदीव में हुए चुनावों में जनता ने बहुमत से उनका और उनके उस कैंपेन का समर्थन किया है जिसमें भारत से सेना हटाने की बात करना शामिल था.

उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत सरकार मालदीव के लोगों की गणतांत्रिक इच्छा का सम्मान करेगी और वहां तैनात अपने सभी सैनिकों को वापस बुलाएगी.

हालांकि इस दौरान मुइज़्ज़ू ने कहा कि भारत ने मालदीव को जो दो हेलिकॉप्टर दिए थे उन्हें ज़रूरत के अनुसार राहत कार्य में लगाया जा रहा है और कई अभियानों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है.

? भारत ने साल 2010 में मालदीव को पहला हेलिकॉप्टर दिया था जिसका नाम कुरांगी रखा गया. इसका काम मेडिकल इमर्जेंसी में किया जाना तय था.

इसके बाद इंडो–मालदीव डिफेन्स एक्शन प्लान पर दोनों मुल्कों की सहमति बनने के बाद 2016 में भारत सरकार ने मालदीव को दूसरा हेलिकॉप्टर दिया था. इसके साथ भारत सरकार से मालदीव के काहधू एयरपोर्ट में बेहतर सुविधाएं बनाने के लिए 2.4 लाख डॉलर का अनुदान भी दिया.

पहले के मुकाबले बेहद उन्नत किस्म के इस हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल भी राहत और बचाव कार्य के लिए और मरीज़ों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए किया जाना था.

मुइज़्ज़ू ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों को वो देश से बाहर करेंगे. ऐसे में उनकी जीत के बाद से ही भारत के साथ मालदीव के संबंधों को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही थीं.

हालांकि शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में मुइज़्ज़ू ने कहा कि 'मालदीव ये सुनिश्चित करेगा कि मालदीव पर ज़मीन पर विदेशी सेना की किसी तरह की मौजूदगी न हो. मैं आपसे कह सकता हूं कि मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान यही होगा कि मैं अपने देश के प्रति वफ़ादार रहूं.'

इससे पहले उन्होंने ये भी कहा था कि वो विकास के पक्षधर हैं और चीन और भारत दोनों के साथ ही बेहतर रिश्ते चाहते हैं.

समाचार एजेंसी एएफ़पी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि भारतीय सैनिकों की जगह चीनी सैनिकों को देश में तैनात कर वो क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ना नहीं चाहते.

आवश्यकता है

'जननायक सम्राट' राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र के प्रचार–प्रसार खबरों एवं स्थानीय कार्यालय खोलने हेतु पूरे भारत में प्रत्येक राज्य, जिले, ब्लॉक एवं कस्बों कॉर्डिनेटर, विशेष संवाददाता, विवरण एवं प्रतिनिधियों की (आकर्षक कमीशन हेतु आपना बायोडाटा सहित तुरंत सम्पर्क करें)

मो. नं. 8218049162,
9870916612

email: jannayaksamrataligarh@gmail.com
jnsnews24aligarh@gmail.com

यात्रीगण ध्यान दें

अगले तीन–चार वर्षों में हर यात्री को कन्फर्म टिकट देने की योजना को लेकर अगर रेलवे सचमुच गंभीर है तो यह अच्छी बात है। रेल मंत्री की ओर से मीडिया को दी गई सूचनाओं के मुताबिक न केवल देश की तमाम कोच फैक्ट्रियों में दिन–रात काम किया जा रहा है बल्कि ट्रेन की स्पीड बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब पर्व–त्योहारों के कारण रेलगाड़ियां ठसाठस भरी हुई हैं और लोग अमानवीय हालात में यात्रा करने को मजबूर हैं। और, यह कोई नई या अनोखी बात नहीं। गर्मी की छुट्टियों या त्योहारों के आसपास ऐसे दृश्य अक्सर दिख जाते हैं। साफ है कि ट्रेन आज भी अपने देश में आम लोगों की यात्रा का सबसे सरल और सहज साधन है। ऐसे में रेलवे को सबके लिए सुलभ, आसान और सुविधाजनक बनाना एक ऐसा लक्ष्य है, जो हर सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। मगर सचाई यह है कि प्रायरू सभी सरकारें इसे चलताऊ ढंग से लेती रही हैं। ऐसे में जब रेलवे की ओर से इतने बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए काम करने की बात आई है तो इसका स्वागत करते हुए भी यह नहीं भुलाया जा सकता कि यह बेहद कठिन है। इसके लिए न केवल ट्रेनों की संख्या में भारी इजाफा करना होगा बल्कि रेल पटरियों का भी अप्रत्याशित तेजी से विस्तार करना होगा। हालांकि रेलवे की इस योजना पर एक गौर करने से यह जरूर साफ होता है कि इसमें मौजूदा स्थिति और टारगेट के बीच के अंतर पर अच्छी तरह से विचार किया गया है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह है कि इस अंतर को भरने की दिशा में पर्याप्त तेजी दिखाई जा सकेगी या नहीं। यानी अगर तय लक्ष्य तक चार साल में पहुंचना है तो इस बीच हर साल 4000–5000 किलोमीटर की नई पटरियां बिछाई जा सकेंगी या नहीं। ट्रेनों की संख्या के मामले में यह हिसाब ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आता है। चार साल में 3000 नई ट्रेनें शुरू करने का मतलब है रोज दो नई ट्रेनें शुरू करनी होंगी। देखना होगा कि यह सिलसिला कितनी जल्दी शुरू होता है और कब तक चलता है। ऐसे ही रेलवे ने हिसाब लगाया है कि इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गाड़ियों की रफ्तार में भी इजाफा करना होगा ताकि सफर का वक्त बचे। गाड़ियों के ठहरने और गति पकड़ने का टाइम पुल और पुश टेक्नॉलजी के जरिए बचाया जा सकता है और कहते हैं कि उस पर काम भी हो रहा है। मगर दो दिन पहले आई एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल देश में ट्रेनों की औसत गति बढ़ने के बजाय पांच किलोमीटर प्रति घंटा कम हो गई। ऐसे में यही उम्मीद की जा सकती है कि रेलवे की यह नई योजना चुनावी सब्जबाग का हिस्सा न हो, इसे ठोस रूप में अमली जामा पहनाया जाए।

सूचना

विज्ञापन एवं विज्ञप्ति के लिए सम्पर्क करें

कार्यालयः सरोज नगर गली न. 5, क्वार्सी बाईपास रोड, अलीगढ़

हैल्पलाइन न. 8218049162, 9870916612

पीड़ित ध्यान दें

यदि आप भ्रष्टाचार, भेदभाव, अन्याय, शोषण और उत्पीड़न का शिकार हैं यदि आपकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार की कोई जन सामाजिक समस्या या कोई अपराध हो रहा है तो सम्पादक 'जननायक सम्राट' को पूरे विवरण के साथ पत्र लिखकर इसकी जानकारी दें या मिलें। इसे 'जननायक सम्राट' को प्रकाशित कर राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया जाएगा। पत्र भेजने वाले का पूरा नाम एवं पता देने आवश्यक है। इसे पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा।

मो. 8218049162

email: jannayaksamrataligarh@gmail.com, jnsnews24aligarh@gmail.com

''जननायक सम्राट'' मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस अचल ताल अलीगढ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित। सम्पादक अमित कुमार वर्मा सम्पर्क 8218049162